ऐ दो जहाँ के मालिक मेरी खता बता दे

ऐ दो जहाँ के मालिक मेरी खता बता दे
चरणों से दूर दाता तूने क्यों किया बता दे
ऐ दो जहाँ के मालिक.....

जीने को जी रहा हूँ लेकिन मज़ा नहीं है
तुझसे जो दूरियां है क्या ये सजा नहीं है
मुझे थाम ले दयालु ये फासले मिटा दे
ऐ दो जहाँ के मालिक.....

दुनिया की दौलतों की चाहत नहीं है दाता
चरणों में बस जगह तू देदे मेरे विधाता
हाथों को मेरे सर पे ज़रा प्यार से फिरा दे
ऐ दो जहाँ के मालिक.....

तेरे पथ पे चल रहा हूँ इक दिन तो तू मिलेगा
उम्मीद का ये दीपक एक दिन प्रभु जलेगा
तेरे हर्ष के हृदय का अँधियारा तू मिटा दे
ऐ दो जहाँ के मालिक.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21971/title/eh-do-jaha-ke-malik-meri-khta-bta-do

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |